ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–५६
दिनांक- शुक्रवार, २१ जुलाई, २०२३

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 35.8 एवं 26.4 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 84 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 61 प्रतिशत, हवा की औसत गति 5.3 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 5.7 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 10.6 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 35.8 एवं दोपहर में 26.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में वर्षा नही हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(22–26 जुलाई, 2023)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 22–26 जुलाई, 2023 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में मानसून के कमजोर बने रहने का अनुमान है। जिसके कारण वर्षा की सम्भावना बहुत कम है। हालाकि, कहीं–कहीं हल्की वर्षा होने की संभावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान सामान्य तापमान से 3–4 डिग्री सेल्सियस अधिक रह सकता है और यह 34–37 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 27–29 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रहने की सम्भावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 60 से 70 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 10 से 15 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चलने की सम्भावना है।

समसामयिक सुझाव

- पिछले कुछ दिनों से उच्च तापमान तथा अनावृष्टि के कारण वाष्पण की प्रक्रिया में तेजी आई है। ऐसी स्थिति में खड़ी फसलों जैसे रोपी गयी धान में जीवनरक्षक सिंचाई करें। हल्दी, ओल एवं गन्ना की फसल में भूमि में नमी की कमी को देखते हुए अविलम्ब सिंचाई करें।
- मानसून के कमजोर रहने या वर्षा न होने की संभावना को देखते हुए जिन किसानों के पास सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है एवं विचड़ा तैयार हो,वें नीची जमीन में धान की रोपनी करें। अभी ऊचांस जमीन में धान की रोपनी नहीं करें।
- उचान्स जमीन में धान फसल के बदले मूंग, उरद एवं तिल की बुवाई कर सकते है। खेत की जुताई में 20 किलो ग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम स्फूर, 20 किलोग्राम पोटाश तथा 20 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। मूंग के लिए एच0यू0एम0–16 तथा उरद के लिए पंत उरद–19, पंत उरद–31, नवीन एवं उत्तरा किस्में बुआई के लिए अनुशंसित हैं। बुआई के दो दिन पूर्व बीज को कार्बेन्डाजीम 2.5 ग्राम प्रति किलो ग्राम की दर से शोधित करें। बुआई के ठीक पहले शोधित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करें। बीजदर 20–25 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई की दूरी 30X10 से0मी0 रखें।
- जिन किसानों के पास सिचाईं की व्यवस्था उपलब्ध है। वे धान की रोपनी 31 जुलाई तक कर सकते है धान की रोपनी उसके बाद करना ठीक नहीं होगा। क्योंकि ऐसे करने से धान के फूल की अवस्था में तापमान के कम हो जाने की सम्भावना रहती है। जिससे उपज में भारी कमी आ सकती है।
- सुर्यमुखी की बुआई यथाशीघ्र समाप्त कर लें। मोरडेन, सुर्या, सी0ओ0–1 एवं पैराडेविक सुर्यमुखी की उन्नत संकुल प्रभेद है जबकि बी0एस0एच0–1, के0 बी0एस0एच0–1, के0 बी0एस0एच0–44 सुर्यमुखी की संकर प्रभेद है। संकर किस्मों के लिए बीज दर 5 किलोग्राम तथा संकुल के लिए 8 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से रखें।
- तिल की बुआई यथाषीघ्र समाप्त कर लें। कृष्णा, काँके सफेद, कालिका और प्रगति तिल की अनुशंसित किस्में हैं। बीज दर 4 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेयर तथा कतार से कतार एवं पौध से पौध की दूरी 30 से0मी0X10 से0मी0 रखें। 2.0 ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज को उपचारित कर बुआई करे।
- मिश्रीकन्द की बुआई करें। बुआई के लिए राजेन्द्र मिश्रीकन्द 1 एवं राजेन्द्र मिश्रीकन्द 2 किस्मे अनुशसित है। बीजदर 15 से 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 200 क्विंटल कम्पोस्ट, 40 किलोग्राम नेत्रजन, 60 किलोग्राम स्फुर एवं 80 किलोग्राम पोटाश का व्यवहार करें।
- अरहर की बुआई करें। बहार, पूसा 9, नरेद्र अरहर 1, मालवीय–13, राजेन्द्र अरहर–1 आदि किस्में बुआई के लिए अनुशसित है।
- केला की रोपाई करें। उत्तर बिहार में लम्बी किस्मों के लिए अलपान, चम्पा, कंथाली, मालभोग, चिनियाँ, शक्कर चिनियाँ, फिआ–23 तथा बौनी एवं खाने वाली किस्मों के लिए ग्रैडनेन, रोबस्टा, बसराई, फिआ–1 अनुशंसित है। सब्जी वाली किस्में बतीसा, सावा, बनकेल, कचकेल, फिआ–3 तथा सब्जी एवं फल दोनों में उपयोग आने वाली किस्में कोठियाँ, मुठियाँ, दुधसागर एवं चकिया अनुशंसित है। लम्बी जातियों में पौधा से पौधा की दूरी 2.0 मीटर है एवं बौनी जातियों में 1.5 मीटर रखें।
- सब्जियों में आवष्यकतानुसार निकाई–गुड़ाई करें तथा लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें। इन कीट का प्रकोप दिखाई देने पर बचाव के लिए इमिडाक्लोरोप्रिड दवा का 0.3 मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर फसल में छिड़काव करें।
- प्याज की नर्सरी से खर–पतवार निकालें। खरीफ प्याज की रोपाई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में 150–200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर सड़ी हुई गोबर की खाद का प्रयोग करें।

आज का अधिकतम तापमानः 35.6 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.7 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 26.4 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.1 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)